हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 338 : जौनपुर, शनिवार 09 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

भारत को सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में देखना हर भारतीय की इच्छा : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी महोत्सव महोत्सव मना रहा होगा तब हर राष्ट्रभक्त भारतीय के मन में भारत को समर्थ, सशक्त और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में देखने की इच्छा होगी। सीएम ने शुक्रवार सुबह गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में मेरी माटी मेरा देश कार्य्रकम के दौरान कहा कि हर भारतीय देश को दुनिया का नेतृत्व करते हुए देखने की इच्छा रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नए भारत की 140 करोड़ की आबादी को आगामी 25 वर्ष की एक विस्तृत

कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ने का एक अवसर दिया। सीएम योगी ने इस अवसर पर गोरखपुर भाजपा महानगर इकाई के अध्यक्ष राजेश गुप्ता को गोरखनाथ मंदिर परिसर की पवित्र मिट्टी अमृत कलश में भरकर सौंपी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपनी आजादी का अमृत महोत्सव पूरी भव्यता और दिव्यता के साथ आयोजित किया। यह हम सबका सौभाग्य है कि आजादी के अमृत काल के प्रथम वर्ष में हम सबको नए भारत का दर्शन हो रहा है। उन्होंने कहा कि सशक्त, समर्थ और शक्तिशाली भारत के लिए जो कार्यक्रम दिए गए हैं, उसी की श्रृंखला में विरासत के सम्मान वाले माटी को नमन वीरों को वंदन. कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के कार्यक्रम का शुभारंभ आज गोरखपुर में महानगर संगठन की तरफ से किया जा रहा है। इसमें गोरखपुर की माटी को अमृत कलश के साथ जोड़ने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर के हर नगर निकाय व हर विकासखंड से अमृतकलश एकत्र होकर लखनऊ और फिर दिल्ली के लिए जाएंगे। लखनऊ में जहां आजादी के अमृत कलश की स्थापना हुई है। उसी पवित्र स्थल पर एक अमृत कलश वाटिका स्थापित हो रही है, जहां प्रदेश भर से संग्रहित कलश रखे जाएंगे। अमृत कलश वाटिका में 825 विकास खंडों समेत करीब 1500 स्थलों से एकत्रित मिट्टी भरे कलश रखे जाएंगे। इस अवसर पर गोरखपुर के महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, भाजपा महानगर संगठन से महामंत्री इंद्रमणि उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

जी20 बैठक से पहले, दक्षिण कोरिया ने दोस्ती को रेखांकित करने के लिए विज्ञापन अभियान शुरू किया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दक्षिण कोरिया के प्रवासी जनसंपर्क सचिव के कार्यालय ने यहां जी20 शिखर सम्मेलन से पहले कोरिया और भारत के चमकदार भविष्य के लिए 50 साल की दोस्ती और विश्वास शीर्षक से एक व्यापक विज्ञापन अभियान का आयोजन किया है। सम्मेलन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल भाग लेंगे। प्रवासी जनसंपर्क कार्यालय ने एक बयान में कहा, कोरिया और भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50 वीं वर्षगांठ और

राष्ट्रपति यूं सुक येओल की यात्रा की स्मृति में, हमने कोरिया और भारत के लोगों को दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती की याद दिलाने और विश्वास तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए अपेक्षाओं को साझा करने का संदेश देने के उद्देश्य से विज्ञापन की योजना बनाई है। इस विज्ञापन और कार्यक्रम के साथ हमें उम्मीद है कि कई भारतीय नागरिकों में दक्षिण कोरिया के प्रति रुचि विकसित होगी और यह उनके लिए भारत स्थित कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र की यात्रा करने का अवसर के रूप में काम करेगा। राष्ट्रपति यून के कार्यालय ने एक अलग बयान में कहा कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और विश्वास पर जोर देने वाला प्रचार अभियान बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में दो स्थानों पर स्थापित किया गया था। इसमें यह भी कहा गया कि जी20 शिखर सम्मेलन और राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ में यून की भागीदारी द्विपक्षीय संबंधों के विकास की उम्मीदें बढ़ाती है और पिछले पांच दशकों की दोस्ती और विश्वास के आधार पर एक चमकदार भविष्य की ओर बढ़ने का संदेश देती है। इसमें आगे कहा गया है कि अभियान में कोरिया–भारत राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के लिए स्मारक नारा दिया गया है, कोरिया और भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए 50 साल की दोस्ती और विश्वास यह एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने का संदेश देता है। दोनों देशों के बीच 50 वर्षों की मित्रता और विश्वास परिवेशीय विज्ञापन के लिए विशिष्ट स्थानों या वातावरणों की विशेषताओं का लाभ उठाता है।

कानपुरः थाने में युवती के कपड़े उतरवाने के मामले में आया नया मोड़

एजेन्सी

कानपुर। साढ़ थानाक्षेत्र में थाने के अंदर शोहदे के सामने महिला सिपाही द्वारा पीड़ित किशोरी के कपड़े उतरवाने के मामले की गुरुवार को जांच शुरू हो गई। पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। एडीसीपी दक्षिण अंकिता शर्मा ने एसीपी नौबस्ता अभिषेक कुमार पांडेय के साथ हैलट के मैटरनिटी विंग पहुंचकर पीड़िता के बयान दर्ज किए। जांच में सामने आया कि किशोरी के पैर में आरोपी युवक के नाम का टैटू बना है। पीडित परिवार कांस्टेबल पर किशोरी के कपड़े उतरवाकर फोटो खींचने का गंभीर आरोप लगा रहे थे, लेकिन अफसरों के सामने वे अपने बयानों से मुकर गए। उनके जाने के बाद एलआईयू की टीम ने परिजनों से घटना की जानकारी ली तो उन्होंने पहले लगाए गए आरोपों को दोहराना शुरू कर दिया। इस मामले में एडीसीपी ने दावा किया कि परिवार के आरोप निराधार और झूठे हैं। किशोरी के पैर में युवक के नाम का टैटू बना मिला है, उसे मिटाने की कोशिश की गई थी। कांस्टेबल ने घुटने के नीचे बना टैटू देखने के लिए सलवार ऊपर करके फोटो खींची थी, उस वक्त वहां पर आरोपी मौजूद नहीं था। साढ़ के एक गांव में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी के परिजनों ने गांव के पूर्व प्रधान के भतीजे अमन कुरील पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए तीन सितंबर को छेड़खानी, पॉक्सो समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पीड़िता के पिता ने गंभीर आरोप लगाया था कि महिला कांस्टेबल ने थाने में आरोपी के सामने उनकी बेटी के कपड़े उतरवाकर फोटो खींची थी। जिसके कारण उनकी बेटी अवसाद में चली गई। उसे इलाज के लिए हैलट के बालरोग अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। परिजनों के यह आरोप लगाते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। कानपुर से लेकर राजधानी तक के अफसरों ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच के आदेश दिए थे। जिसके बाद एडीसीपी दक्षिण अंकिता शर्मा गुरुवार दोपहर मैटरनिटी विंग पहुंची। एडीसीपी ने कहा कि परिवार के लोग अपने बयान से मुकर रहे हैं। उन्होंने लिखित में भी यह दिया है कि उनकी ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं। भले ही परिवार के लोग अपनी बात से मुकर गए हैं, लेकिन जांच में यह भी तथ्य सामने आया कि पीड़िता किशोरी और आरोपी अमन कुरील दोनों ने एक–दूसरे के नाम के टैटू शरीर में बनवा रखा था। आरोप लगाया कि पुलिस जानबूझकर आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर रही है। परिवार वालों का कहना है कि थाने में किशोरी के कपड़े उतरवाकर फोटो खींची गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अमन और पीड़िता दोनों के बीच पहले दोस्ती थी।

राष्ट्रपति मुर्मू के रात्रिभोज में खड़गे को निमंत्रण नहीं

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, को शनिवार को राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है।

खड़गे के कार्यालय के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया, उन्हें अब तक (शुक्रवार सुबह) राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है।

इससे पहले बुधवार को कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा था कि राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज के लिए कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन खड़गे को निमंत्रण नहीं भेजा गया।उन्होंने यह भी कहा कि रात्रिभोज के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को आमंत्रित किया गया है। जी20 शिखर सम्मेलन इस साल भारत की अध्यक्षता में 9–10 सितंबर को नयी दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

मोदी सरकार के इस फैसले के मुरीद हुए पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कहा, प्रधानमंत्री ने सही किया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता मनमोहन सिंह ने रूस–यूक्रेन संघर्ष पर कड़ी कूटनीतिक स्थिति को संभालते हुए भारत के संप्रभु और आर्थिक हित को पहले रखने के मोदी सरकार के कदम की सराहना की है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने बिल्कुल सही काम किया है। एक इंटरव्यू में मनमोहन सिंह ने कहा कि जब दो या दो से अधिक शक्तियां संघर्ष में फंस जाती है तो अन्य राष्ट्र के लिए पक्ष चुनने का भारी दवाब आ जाता है। मनमोहन सिंह ऐसे समय में जी20 समिट में भारत की अध्यक्षता देखकर खुश हैं, जब विदेश नीति पहले की तुलना में आज कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। पूर्व पीएम ने रूस और यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत के रूख का समर्थन करने हुए कहा, श्मेरा मानना घ्है कि

भारत ने शांति की अपील करते हुए हमारे संप्रभु और आर्थिक हितों को पहले रखकर सही काम किया है। उन्होंने कहा, जी20 शिखर सम्मेलन को सुरक्षा संबंधी विवादों को निपटाने के मंच के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जी20 के सदस्य देशों और संस्थानों को जलवायु चुनौतियों, असमानता, वैश्विक व्यापार में नीति समन्वय और अविश्वास से निपटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मनमोहन सिंह ने जी20 समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बैठक में न शामिल होने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पीएम मोदी भारत की क्षेत्रीय और संप्रभु अखंडता की रक्षा करने और द्विपक्षीय तनाव को कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। 90 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि वह भारत के भविष्य के बारे में चिंतित होने के बजाय भविष्य की चुनौतियों को लेकर अधिक आशावादी हैं क्योंकि यह देश आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। उन्होंने कहा, ष्कुल मिलाकर मैं भारत के भविष्य को लेकर चिंतित होने से ज्यादा आशावादी हूं। हालाँकि, मेरी आशावादिता इस बात पर निर्भर है कि भारत एक सामंजस्यपूर्ण समाज बने, जो सभी प्रगति और विकास का आधार है। भारत की सहज प्रवृत्ति विविधता का स्वागत करना और उसका जश्न मनाना है जिसे संरक्षित किया जाना चाहिए। मनमोहन सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पहले चंद्रमा मिशन को याद करत हुए कहा कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के तीसरे मिशन में चंद्रमा पर सफल लैंडिंग की सराहना की। उन्होने कहा, मैं काफी खुश हूं कि चंद्रयान मिशन जिसे 2008 में लॉन्च किया गया था, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहला मिशन बनकर शिखर पर पहुंच गया है। इसरो में सभी महिलाओं और पुरूषों को मेरी हार्दिक बधाई।

उमर अब्दुल्ला का लद्दाख प्रशासन पर पक्षपात का आरोप

एजेन्सी

श्रीनगर। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद लद्दाख प्रशासन द्वारा नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को हल चिन्ह आवंटित किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को लद्दाख प्रशासन पर पक्षपाती होने का आरोप लगाया। उमर शुक्रवार को मीडिया से बात कर रहे थे, जब लद्दाख प्रशासन ने लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) चुनाव के लिए एनसी को हल चुनाव चिन्ह आवंटित करने के लिए एक नई अधिसूचना जारी की। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछली एलएएचडीसी चुनाव अधिसूचना को रद्द करने के बाद नई अधिसूचना जारी की गई थी, जिसने एनसी को इन चुनावों के लिए अपने पारंपरिक हल चिह्न से वंचित कर दिया था। उमर ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक राजनीतिक दल के रूप में हमारा जो अधिकार था, उसके लिए हमें इंतजार करना पड़ा, प्रतीकों के आवंटन के बारे में चुनाव दिशानिर्देश बहुत स्पष्ट हैं। स्पष्ट रूप से, लद्दाख में प्रशासन का एजेंडा बहुत पक्षपातपूर्ण था। एनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने लद्दाख प्रशासन के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, श्हमें वह मिला, जो हमारा वैध अधिकार था। नेकां को हल चुनाव चिन्ह आवंटित करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक भाजपा नेता ने कहा, "यह देश के सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय है और हम सभी को देश की सर्वोच्च अदालत के फैसले के सामने अपना सिर झुकाना चाहिए।

मोदी विश्व के 15 से अधिक नेताओं के साथ करेंगे द्विपक्षीय बैठक

एजेन्सी

नयी दिल्ली। शनिवार से शुरू होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के साथ, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 15 से अधिक विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को वह अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर मॉरीशस, बांग्लादेश और अमेरिका के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। शनिवार को जी20 बैठकों के अलावा प्रधानमंत्री ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और इटली नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। 10 सितंबर को वह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ वर्किंग लंच मीटिंग करेंगे।

कर्नाटक में जेडी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेगी बीजेपी, येदियुरप्पा ने बताया सीट शेयरिंग फॉर्मूला

एजेन्सी

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की पार्टी जनता दल (सेक्युलर) के साथ तालमेल करेगी। येदियुरप्पा की इस घोषणा ने राज्य में सियासी तापमान बढ़ा दिया है।

भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य येदियुरप्पा ने कहा कि चुनावी तालमेल के तहत जद (एस) कर्नाटक में 28 संसदीय क्षेत्रों में से चार पर चुनाव लड़ेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''मैं इसे लेकर खुश हूं कि देवेगौड़ा जी ने हमारे प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्होंने चार सीट तय कर ली हैं। मैं इसका स्वागत करता हूं... भाजपा और जद (एस) के बीच तालमेल होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जद (एस) को चार लोकसभा सीट देने के लिए राजी हो गए हैं।येदियुरप्पा ने कहा, ''इसने हमें काफी ताकत दी है और इससे साथ मिलकर हमें 25–26 लोकसभा सीट जीतने में मदद मिलेगी।श्र भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में कर्नाटक में 25 सीट पर जीत हासिल की थी, वहीं, भाजपा समर्थित एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भी जीत हासिल की थी। कांग्रेस और जद (एस) ने एक–एक सीट पर जीत हासिल की थी। इस साल मई में हुए 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को 135 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को 66 और जद (एस) को 19 सीटें मिलीं।विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि जद (एस) लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। यह भी कहा गया कि जद (एस) नेता ने इस संबंध में दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की थी। हालांकि, बाद में जद (एस) प्रमुख देवेगौड़ा ने संकेत दिया था कि पार्टी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। जद (एस) ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ा था। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, तालमेल को लेकर भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और जद (एस) के शीर्ष नेतृत्व के बीच बातचीत हुई है और राज्य के नेताओं को इस बारे में अधिक जानकारी नहीं है। सूत्रों ने कहा कि भाजपा हासन और बेंगलुरु ग्रामीण सीटें जद (एस) को दे सकती है, जहां मौजूदा समय में उसके सांसद नहीं हैं। सूत्रों ने बताया कि आने वाले दिनों में विचार–विमर्श के बाद सीटों को लेकर स्थिति साफ हो सकती है, क्योंकि मांड्या, तुमकुरु, कोलार और चिक्कबल्लापुर जैसी सीटों के नाम पर भी चर्चा हो रही है। जद (एस) के साथ चुनावी तालमेल से जुड़े सवाल पर भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने कहा, ''चर्चा शुरू हो चुकी है। हम सभी 28 सीटें जीतने के लिए पूरी तैयारी करेंगे। उन्होंने कहा, ''हम आने वाले दिनों में चुनावी रणनीति और तैयारियों के संबंध में बैठेंगे और चर्चा करेंगे।

भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा, ''हमने कई मुद्दों पर विधानसभा के अंदर और बाहर इस 'दुष्ट (कांग्रेस) सरकार के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ाई लड़ी है। स्वाभाविक रूप से, कर्नाटक को बचाने के लिए विपक्षी दलों का एकजुट होना जरूरी है। उस संदर्भ में ये चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। आने वाले दिनों में सब कुछ सामने आ जाएगा।

स्थानीय शेयर बाजारों में लगातार छठे दिन तेजी, सेंसेक्स 333 अंक चढ़ा

एजेन्सी

मुंबई। कमजोर वैश्विक संकेतों के बावजूद एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज कंपनियों में खरीदारी आने से शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 333.35 अंक यानी 0.50 प्रतिशत बढ़कर 66,598.91 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 501.36 अंक यानी 0.75 प्रतिशत तक चढ़कर 66,766.92 पर पहुंच गया था।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 92.90 अंक यानी 0.47 प्रतिशत बढ़कर 19,819.95 पर बंद हुआ। इस तरह दोनों मानक सूचकांक लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त लेकर बंद हुए। इन छह सत्रों में निफ्टी 473 अंक यानी तीन प्रतिशत चढ़ा है जबकि सेंसेक्स में 1,434 अंक यानी 2.41 प्रतिशत की तेजी रही है। सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन, पावर ग्रिड और भारतीय स्टेट बैंक प्रमुख रूप से बढ़े। दूसरी ओर आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और जेएसडब्ल्यू स्टील मेंगिरावट दर्ज की गई। समूचे कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स 878.4 अंक यानी 1.34 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी में 384.65 अंक यानी 1.97 प्रतिशत की तेजी हुई।

जी20 शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति के नहीं आने को भारत ने नहीं दिया कोई महत्व

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को जी20 शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुपस्थिति और यूक्रेन संघर्ष पर वार्ता के पटरी से उतरने की आशंका को यह कह कर महत्व नहीं दिया कि वह सभी देशों को एक मंच पर लाने में कामयाब रहा है। यह अगले दो दिनों में शिखर सम्मेलन के दौरान दिखेगा। जी20 शिखर सम्मेलन से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि चीन एक बहुपक्षीय खिलाड़ी है और बहुपक्षीय चर्चा में मुद्दे द्विपक्षीय मुद्दों से अलग होते हैं। कांत ने शी की अनुपस्थिति से कार्यक्रम पर प्रभाव पड़ने के सवाल का जवाब देते हुए कहा, ष्चीन विकास के मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण लाता है। हालांकि, ऐसे आयोजनों में आम सहमति होती है और सभी को एक साथ होना होता है, क्योंकि हर देश के पास वीटो पावर है। हम सभी को एक साथ लाने में कामयाब रहे हैं।

राजस्थान के टोंक में 10 सितंबर को इंदिरा रसोई ग्रामीण योजना का शुभारंभ करेंगी प्रियंका गांधी

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले के निवाई में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी 10 सितंबर को इंदिरा रसोई ग्रामीण योजना की शुरुआत करेंगी। इंदिरा रसोई ग्रामीण योजना की शुरुआत को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही है। झिलाई गांव के विवेकानंद मॉडल स्कूल में योजना का शुभारंभ करने के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का सभा को संबोधित करने का कार्यक्रम है।

सभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मंत्री मौजूद रहेंगे। तैयारियों के तहत टोंक, जयपुर और दौसा के नेताओं को सभा में भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभी तक शहरों में आठ रुपये में खाना परोसने की योजना चल रही है। गहलोत ने गांवों में भी इंदिरा रसोई से सस्ता भोजन उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसे इंदिरा रसोई ग्रामीण योजना के नाम से चलाया जाएगा।

सम्पादकीय

भारत बनाम इंडिया

देश में आयोजित हो रहे जी–20 शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले देश के नाम को लेकर जो अनावश्यक विवाद छिड़ा उससे कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। दरअसल, जी–20 शिखर सम्मेलन के मेहमानों को दिये जाने वाले रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेजीडेंट ऑफ इंडिया' के बजाय 'प्रेजीडेंट ऑफ भारत' वर्णित किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री को इंडोनेशिया में होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिये 'द प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत' वर्णित किया गया है। जिसको लेकर विपक्ष ने तल्ख प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश का आधिकारिक नाम इंडिया की जगह भारत करने का मन बना लिया है। वहीं दूसरी ओर जी–20 प्रतिनिधियों के लिये तैयार की गई पुस्तिका 'भारत रू द मदर ऑफ डेमोक्रेसी' नामक पुस्तिका के अनुसार भी, 'भारत देश का आधिकारिक नाम है। इसका उल्लेख संविधान में है, इसके साथ ही 1946 से 1948 तक चर्चाओं में रहा है।' दरअसल, संविधान का अनुच्छेद–एक भी कहता है रू 'इंडिया, जो कि भारत है, राज्यों का एक संघ होगा।' निस्संदेह 'इंडिया' और 'भारत' लंबे समय से सह–अस्तित्व में हैं। बिना किसी स्पष्ट विरोधाभास या असहमति के, एक–दूसरे के स्थान पर उपयोग किये जाते रहे हैं। एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में देश के विभिन्न मूल्य वर्ग के सिक्कों पर समान रूप से दोनों नाम दिखाई देते हैं। हालांकि, सरकार की ओर से इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट कथन सामने नहीं आया है लेकिन विपक्ष का आरोप है कि विपक्षी गठबंधन जिसके नाम का संक्षिप्त रूप 'इंडिया' बनाया गया है, की मुंबई बैठक के बाद केंद्र सरकार ने बौखलाहट में देश का नाम बदलने का मन बनाया है। ऐसे में भाजपा से उम्मीद की जानी चाहिए कि विभिन्न विपक्षी दलों के समूह की एकजुटता पर प्रतिक्रिया देकर कोई ऐसा कदम न उठाये जिससे देश में ऊहापोह की स्थिति पैदा हो।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब देश जी–20 में शामिल दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले महत्वपूर्ण देशों के राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत कर रहा है, ऐसा कोई विवाद अच्छा संदेश कतई नहीं देगा। दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाले देश को नाम को लेकर ऐसे विवाद शोभा नहीं देते। भारत जो वर्ष 1950 में एक गणतंत्र बना, अपने दोहरे नाम व द्विभाषी पहचान के साथ काफी हद तक सहज रहा। जो परंपरा के साथ आधुनिकता का भी साम्य रखता है। ऐसे में जबरन नया नाम थोपना एक प्रतिगामी कदम होगा। वहीं विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार देश की मुख्य चुनौतियों बेरोजगारी, महंगाई, मणिपुर हिंसा और अडाणी जैसे विवादों से लोगों का ध्यान हटाने के लिये देश के नाम के विवाद को हवा दे रही है। दूसरी ओर केंद्र सरकार द्वारा आहूत संसद के आगामी विशेष सत्र को लेकर विपक्ष सवाल उठा रहा है कि इस बाबत विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया गया। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं किया गया कि इस विशेष सम्मेलन का एजेंडा क्या होगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में विशेष सत्र के दौरान नौ मुद्दों पर चर्चा की मांग की है। जिसकी चर्चा विपक्षी गठबंधन के नेताओं के बीच भी हुई। ऐसे वक्त में जब देश में कुछ विधानसभाओं के चुनाव और आम चुनाव नजदीक हों, तो ऐसे मुद्दों के राजनीतिक निहितार्थों से इनकार नहीं किया जा सकता। इस पत्र में देश के संघीय ढांचे, प्राकृतिक आपदा, बाढ़ के प्रभाव, मणिपुर हिंसा, चीन सीमा विवाद व देश में सांप्रदायिक तनाव घटाने आदि मुद्दों पर चर्चा की मांग की गई है। निस्संदेह, विपक्ष को विश्वास में न लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने पर विवाद स्वाभाविक है। वहीं उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रधानमंत्री भी सोनिया गांधी द्वारा उठाये मुद्दों पर जबाव देंगे। बेहतर होगा कि किसी जूनियर व्यक्ति के बजाय प्रधानमंत्री अपना जवाब किसी वरिष्ठ मंत्री द्वारा सोनिया गांधी को भिजवाएं। केंद्र को राहुल गांधी के उस बयान पर भी ध्यान देना चाहिए कि अब चाहे इंडिया हो, भारत हो या हिंदुस्तान, ये मोहब्बत के नाम ही होने चाहिए।

समय की मांग हैं एक साथ चुनाव

इन दिनों एक देश–एक चुनाव का मुद्दा चर्चा में है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में इस पर मंथन के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है। एक साथ चुनाव से आशय लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराने से है। चुनाव प्रक्रिया को सुसंगत बनाना भी इसका उद्देश्य है। इसका अर्थ यह नहीं कि पूरे देश में सभी लोकसभा और विधानसभा सीटों के लिए एक ही दिन में चुनाव करा लिए जाएं। इसके बजाय चुनाव प्रक्रिया विभिन्न चरणों में संपादित कराई जा सकती है ताकि निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता एक ही दिन में लोकसभा और विधानसभा के लिए मतदान कर स स्वतंत्रता के बाद देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ संपन्न होते रहे। यह क्रम 1967 में टूट गया। उसके बाद से इसकी फिर से संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसी सिलसिले में विधि आयोग की 1999 में आई 'चुनाव कानूनों पर सुधार' रपट उल्लेखनीय है। उसके अनुसार एक साथ चुनावों का क्रम टूटने का मुख्य कारण अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग और विधानसभाओं का भंग होना रहा। हालांकि अब 356 के उपयोग के आसार बहुत सीमित हो गए हैं। इसलिए अलग–अलग कराए जाने के बजाय लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार कराया जाना आदर्श होगा। कई समितियों ने एक साथ चुनाव के विचार का समर्थन किया है। कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय मामलों से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने 17 दिसंबर, 2015 को राज्यसभा में प्रस्तुत एक रिपोर्ट में सुझाया था कि सभी दलों को एक साथ चुनाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। विशेष रूप से आर्थिक विकास की गति को देखते हुए यह बहुत आवश्यक है, क्योंकि बार–बार चुनाव के चलते लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण कई परियोजनाओं का काम अटक जाता है। नीति आयोग का पत्र भी यही कहता है। विधि आयोग ने अपनी रिपोर्ट में यह सुझाव दिया है कि जिन विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा के छह महीने बाद होने हैं, उनके चुनाव भी लोकसभा के साथ ही करा लिए जाएं और भले ही परिणाम छह माह बाद उनके कार्यकाल समाप्ति पर घोषित किए जाएं। वहीं, 21वें विधि आयोग की 2018 में आई रिपोर्ट में भी एक साथ चुनाव वाले विचार के पक्ष में मत व्यक्त किया गया था। क्या एक साथ चुनाव कराना वाकई लाभदायक है? समवेत स्वर में इसका उत्तर 'हां' में ही निकलेगा। कम से कम चार पहलू इसके फायदों की पुष्टि करते हैं। सबसे पहला तो यह कि बार–बार चुनाव के कारण लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता के चलते कई विकास परियोजनाएं गतिरोध का शिकार हो जाती हैं और कल्याणकारी कार्यक्रम भी ठहर जाते हैं। एक साथ चुनाव होने से विकास गतिविधियों पर आचार संहिता के प्रभाव को न्यून किया जा सकेगा। दूसरा लाभ चुनाव प्रक्रिया पर होने वाले खर्च की लागत घटने के रूप में मिलेगा। विधि आयोग की रिपोर्ट के अनुसार लोकसभा और विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग बराबर होता है। लोकसभा चुनाव का व्यय जहां भारत सरकार वहन करती है, वहीं विधानसभा चुनावों का खर्च संबंधित राज्य की सरकार को उठाना पड़ता है। जबकि एक साथ चुनाव से केंद्र और राज्य आधा–आधा खर्च उठाकर ही चुनाव करा सकते हैं। इससे पार्टियों और प्रत्याशियों का खर्च भी व्यापक स्तर पर घटेगा। तीसरा लाभ चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी कठिनाइयों के हल में मिलेगा। चुनाव कराना लाजिस्टिक्स के लिहाज से बड़ी चुनौती है, जिसके लिए भारी मात्रा में संसाधन और समन्वय की आवश्यकता होती है। चुनाव आयोग को वोटिंग मशीन से लेकर मतदानकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों की व्यवस्था करनी पड़ती है।

मतदानकर्मियों में बड़ी संख्या शिक्षकों की होती है। उन्हें यह दायित्व मिलने से शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होती है। अन्य विभागों का कामकाज भी प्रभावित होता है। कर प्रशासन से लेकर सुरक्षा बलों जैसी तमाम इकाइयों की सक्रियता भी बढ़ानी होती है। व्यापक स्तर पर संसाधन–केंद्रित इस प्रक्रिया को लोकसभा और विधानसभा चुनावों में दोहराना पड़ता है।

जी– 20 सम्मेलन में कूटनीति

विश्व के आर्थिक क्रम में विकासशील देशों की बढ़ती भूमिका को देखते हुए जब 1999 में दुनिया के 20 औद्योगीकृत देशों को एक समूह में आने की जरूरत पड़ी तो जी–20 संगठन का गठन हुआ जिसकी अगुवाई अमेरिका ने ही की परन्तु इसमें भारत समेत तीसरी दुनिया के कहे जाने वाले कुछ अन्य देशों को भी प्रमुखता मिली जिनमें दक्षिण अफ्रीका व ब्राजील भी महत्वपूर्ण थे। शुरू में इन देशों के वित्तमन्त्रियों के सम्मेलन की ही परंपरा प्रारम्भ हुई। वित्तमन्त्रियों के इस दूसरे सम्मेलन की अध्यक्षता भारत को मिली और तत्कालीन वाजपेयी सरकार के वित्तमन्त्री श्री यशवन्त सिन्हा इसके अध्यक्ष बने। इसके बाद 2008 में इन देशों ने महसूस किया कि जी–20 का स्तर बढ़ाया जाना चाहिए और तब से इन देशों के सत्ता प्रमुखों का शिखर सम्मेलन होना शुरू हुआ। चूंकि इस संगठन में कुल बीस देश हैं अतः प्रत्येक सदस्य देश को बारी–बारी से इसकी अध्यक्षता मिलने का अवसर मिला। भारत का नम्बर अब चालू वर्ष 23 में आया है अतः अब 20 वर्ष बाद 2043 में ही इसे पुनः अध्यक्षता मिलेगी। निश्चित रूप से इस संगठन का सदस्य होना भारत के लिए गौरव की बात थी क्योंकि जब 1947 में यह देश अंग्रेजों की दासता से मुक्त हुआ था तो इसमें 'सुई' तक का उत्पादन नहीं

होता था मगर केवल 52 वर्षों के भीतर ही यह देश हमारे दूरदृष्टा व वैज्ञानिक सोच रखने वाले रहनुमाओं की वजह से औद्योगीकृत देश बन गया और अमेरिका जैसे दुनिया की पहले नम्बर वाले देश की बराबरी में खड़ा होने लायक बन गया। अतः सबसे पहले हमें अपनी पुरानी पीढियों के उन नेताओं के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए जो 'हमे अंधेरे से प्रकाश की ओर लेकर गये' और उन्होंने हमारी नई पीढियों को विज्ञान की मार्फत गरीबी दूर करने के काम में लगाया। भारत आज गौरवान्वित है कि वह जी–20 की मेजबानी कर रहा है। दुनिया के 20 अग्रणी देश इसकी अध्यक्षता में सकल विश्व के विकास के बारे में विचार–विमर्श करेंगे। इसमें भाग लेने के लिए आज (शुक्रवार) को अमेरिका के राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन भी आ रहे हैं। वह 9 व 10 सितम्बर को हो रहे शिखर सम्मेलन से पूर्व प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी से बातचीत करेंगे। जाहिर है कि यह बातचीत दोनों देशों के आपसी रिश्तों व इस क्षेत्र की उन समस्याओं के बारे में होगी जिनका वास्ता प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अमेरिका से भी है। इनमें हिन्द–प्रशान्त महासागर क्षेत्र की शान्ति व सुरक्षा अहम मसला माना जाता है। परन्तु सदस्य होने के बावजूद सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति श्री पुतिन व चीन के प्रमुख श्री शी–जिन–पिंग नहीं आ रहे हैं। इससे कुछ पेंच जरूर पड़ता दिखाई दे रहा है मगर इतना भी उलझा हुआ नहीं है कि भारत इसका तोड़ ही न ढूंढ सके। बेशक चीन भारत का ऐसा निकटतम पड़ोसी है जिसकी सीमाएं छह तरफ से मिलती हैं और रूस भारत का परखा हुआ सच्चा व पक्का मित्र है।

बेहतर होता यदि दोनों नेता भी शिखर सम्मेलन में भाग लेते तो विश्व की मौजूदा समस्याओं का हल ढूंढने में मदद मिलती और विभिन्न स्तर पर तनाव दूर भी होता। मगर श्री पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हुए हैं और अमेरिका व पश्चिमी यूरोपीय देश यूक्रेन की सामरिक से लेकर हर तरह से मदद कर रहे हैं और उन्होंने उसे अपने सामरिक संगठन 'नाटो' का सदस्य बनाने का झांसा दे रखा है। अन्तर्राष्ट्रीय कूटनीति में इसे इस प्रकार भी देखा जा रहा है कि अमेरिका व यूरोपीय देश यूक्रेन की मार्फत रूस की शक्ति को सीमित करना चाहते हैं। मगर चीन रूस की सीधी मदद कर रहा है और चीन के साथ अमेरिका के वाणिज्यिक व व्यापारिक मसले जग जाहिर हैं। अतः भारत पर यह जिम्मेदारी आ पड़ी है कि वह जी–20 की नई दिल्ली बैठक को इन देशों के बीच का कूटनीतिक अखाड़ा न बनने दे और अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए दुनिया को सन्देश दे कि भारत की धरती प्रेम व भाईचारा बढ़ाने वाली धरती मानी जाती है। इस मामले में पूरी दुनिया की नजर 10 सितम्बर को जारी होने वाले जी–20 देशों द्वारा जारी होने वाले संयुक्त वक्तव्य पर निश्चित रूप से रहेगा। भारत को बेशक इस बात से ज्यादा मतलब नहीं हो सकता कि अमेरिका चीन के बारे में क्या कहता है बल्कि उसे इस बात से लेना–देना है कि चीन का रुख भारत को लेकर क्या है क्योंकि हमारे चीन व अमेरिका दोनों के बारे में ही खट्टे–मीठे अनुभव हैं। यह सर्वविदित है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत के हुए चार युद्धों में अमेरिका का वजन पाकिस्तान की तरफ ही रहा था और चीन तो आज भी भारत की कुछ धरती लद्दाख में हड़पे बैठा है और अरुणाचल प्रदेश को अपना इलाका बता रहा है। अतः प्रधानमन्त्री मोदी यदि यह तुरुप का पत्ता चल देते हैं कि आगामी गणतन्त्र दिवस 26 जनवरी को वह 'क्वाड' देशों के राष्ट्राध्यक्षों को राजकीय मेहमान के रूप में नई दिल्ली में आमन्त्रित करेंगे तो इससे चीन की वे कलाबाजियां और सीनाजोरियां बन्द होंगी जो वह अख्सर करता रहता है। क्वाड में भारत, आस्ट्रेलिया, जापान व अमेरिका शामिल हैं।

भारत लगातार यह मांग करता रहा है कि हिन्द महासागर क्षेत्र शान्ति क्षेत्र घोषित होना चाहिए मगर चीन लगातार इसमें अपने जंगी जहाज उतार कर दादागिरी दिखाता रहा है और जवाब में अमेरिका भी अपने बेड़े तैनात करता रहा है जिससे दुनिया के कारोबर का यह प्रमुख जलमार्ग खतरों से भरता जा रहा है। भारत की भूमिका इस सन्दर्भ में बहुत महत्वपूर्ण हो गई है मगर हमें अमेरिका की भी चिकनी–चुपड़ी बातों में नहीं आना है और रूस के साथ अपने रिश्ते निभाने हैं साथ ही चीन का मिजाज ठंडा करना है।

धार्मिक मुद्दे को तूल देते पीएम

इसे किसी भी देश के लिये सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण कहा जा सकता है कि वहां की सरकार धार्मिक विवादों को शांत करने की बजाये उसे और भड़काये। इतना ही नहीं, ज्यादा दुखद तो यह होता है कि वह उस विवाद में बाकायदा एक पार्टी बन जाये और ऐसे विवादों का सियासी लाभ लेने की हर घड़ी जुगत बिठाये। भारत के साथ यह होता साफ दिख रहा है और वह भी अभी से नहीं बल्कि जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में बनी है, इस प्रकार के मुद्दों का उपयोग वह अपनी सत्ता को बचाये रखने या फिर पाने के लिये करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस खेल में दिन–ब–दिन सिद्धहस्त होते जा रहे हैं। ऐसा करने से उन्हें राजनैतिक लाभ तो मिल सकता है परन्तु ऐसा करना न देश के लिये उचित है और न ही समग्र लोकतंत्र के भले में है। संवैधानिक पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति के लिये मजहबी मतभेदों को समाप्त करने की पहल करनी चाहिये, न कि उन्हें और भी तूल देने की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र व मंत्री उदयनिधि का एक बयान इन दिनों सुर्खियों में है जिसमें उन्होंने सनातन धर्म को डेंगू व मलेरिया के वायरस जैसा बतलाते हुए कहा कि जितनी जल्दी उसका उन्मूलन हो उतना ही अच्छा। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव हारने से बौखलाई भाजपा और स्वयं मोदी मुद्दों की तलाश में हैं। कांग्रेस की अगुवाई में बने विपक्षी गठबन्धन इंडियाश के लगातार मजबूत होने तथा अपने कारोबारी मित्र गौतम अदानी से उनकी कथित सांठ–गांठ के कारण मोदी की छवि काफी दरक चुकी है।

ठीक एक साल पहले निकाली गई राहुल गांधी की बेहद सफल भारत जोड़ो यात्राश का सीक्वल आ ही रहा है। इस बार राहुल पश्चिम से पूरब की तरफ देश को अपने कदमों से नापने जा रहे हैं।कहा जा रहा है कि इससे रही–सही कसर भी पूरी हो जायेगी और पहले से नाजुक स्थिति में चल रही भाजपा की सांसें इसी वर्ष के अंत में होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में पूरी तरह से उखड़ सकती हैं। 2024 के मध्य में होने जा रहे लोकसभा चुनावों के लिये उसे मुद्दों की सख्त दरकार है क्योंकि उसका साम्प्रदायिक चेहरा मणिपुर, नूंह और जयपुर–मुंबई एक्सप्रेस में हुई घटनाओं से पूर्णतरू बेनकाब हो गया है। जनता जान गई है कि देश इसका खामियाजा भुगत रहा है। भाजपा की मातृ संस्था

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी जान गई है कि मोदी और हिन्दुत्व के चेहरे पर अगले चुनाव की वैतरणी पार होने से रही। यह सरकार जन सरोकार के मामले में पहले ही नाकाम हो चुकी है जिसके कारण वह किसी भी मुद्दे को लेकर जनता को मुंह दिखाने के काबिल नहीं रही। इसलिये उसके सामने ध्रुवीकरण के अलावा कोई चारा दिखाई नहीं देता। अदानी का मुद्दा देश–विदेश दोनों जगहों पर छाया हुआ है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद हाल ही में वही कहानी दुनिया के दो प्रतिष्ठित अखबारों गार्डियन एवं श्दी फाइनेंशियल टाइम्स ने आगे बढ़ा दी है। इनमें छपी रपटें बताती हैं कि अदानी ने अनेक तरह की वित्तीय अनियमितताएं कीं और मोदी सरकार उन्हें प्रश्रय देती रही, बचाती भी रही। इसके साथ ही राहुल गांधी सच साबित होते चले गये जिन्होंने अदानी–मोदी रिश्तों की बात उठाई, जिसके कारण अपनी सांसदी खोई। यह अलग बात है कि उनकी लोकसभा सदस्यता छीनने का बहाना एक टुच्चा सा अवमानना का अदालती मामला था जिसके आधार पर उन्हें अधिकतम (दो साल) सजा सुनाई गई ताकि वे सदन से रुखसत किये जा सकें। सुप्रीम कोर्ट ने सजा रद्द की जिससे राहुल को सदस्यता व शासकीय आवास लौटाया गया। अब राहुल फिर से अनेक यूरोपीय देश जा रहे हैं जहां वे कई जगहों पर भाषण देंगे। पहले की तरह मोदी की मुश्किलें बढ़नी तय हैं।

बहरहाल, विपक्षी गठबन्धन के नाम से परेशान मोदी सरकार ने देश का श्इंडियाश नाम ही हटा दिया और अब वह सरकारी दस्तावेजों से इंडिया शब्द हटाकर भारत लिख रही है। इसे राष्ट्रवाद का नया काढ़ा कहा जा सकता है जो उनके समर्थकों को अपने खेमे में बनाये रखने के लिये तैयार किया गया है क्योंकि भाजपा के चिर–परिचित फार्मूले बेकार साबित हो गये हैं। इनमें चीन को लाल आंखें दिखलाना, पाकिस्तान को घर में घुसकर मारना, 56 इंच आदि शामिल हैं।

वैसे इंडिया बनाम भारत का मसला भी पार्टी में पर्याप्त ऊर्जा नहीं भर पा रहा है क्योंकि इसके पहले कि भाजपा के आईटी सेल की रचनात्मकता जोर मारती, केन्द्र के एक मंत्री ने ही कह दिया है कि इंडिया भी रहेगा और भारत भी। ऐसे में उदयनिधि का बयान भाजपा के लिये अंधे को मिलने वाली दो आंखें साबित हुआ है। बुधवार को हुई केबिनेट की बैठक में मोदी ने अपने मंत्रियों को निर्देश दिये कि इंडिया–भारत के मुद्दे पर चुप रहें लेकिन सनातन वाले मुद्दे पर कसकर जवाब दे।

यह इस बात की बानगी है कि मोदी राज में सरकार व भाजपा किस प्रकार से गड्ड–मड्ड हो चुके हैं। मोदी भूल गये कि वे पार्टी बैठक या चुनावी रैली में नहीं बल्कि शासकीय बैठक में बोल रहे हैं।

वहां बैठकर उन्हें देश को इस गर्मा–गर्मी से बाहर निकालना चाहिये था जिससे देश में साम्प्रदायिक तनाव न बढ़े। संवैधानिक पद पर बैठे पीएम को मंत्रियों को निर्देशित करना चाहिये था कि इस मामले को सौहार्द्रपूर्ण ढंग से सुलटाया जाये। वैसे मोदी से ऐसी उम्मीद करना बेकार है क्योंकि वे स्वयं ही चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन कर आम सभाओं में गौमाता, राममंदिर, बजरंग बली आदि के नाम पर वोट मांगते हैं।

अनुच्छेद 370: नजरें सुप्रीम कोर्ट पर

आदित्य नारायण

जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिन तक चली बहस के बाद सुनवाई पूरी कर ली है।

याचिकाकर्ताओं की मांग है कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 को फिर से बहाल किया जाए और उसका पूर्ण राज्य का दर्जा भी लौटाया जाए। चीफ जस्टिस के नेतृत्व में पांच सदस्यीय पीठ यह पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह केवल संवैधानिक मुद्दों पर ही सीमित रहेगी। शीर्ष अदालत केवल यह देखेगी कि कोई संवैधानिक उल्लंघन हुआ है या नहीं। यदि कोई संवैधानिक उल्लंघन हुआ है तो अदालत निश्चित रूप से हस्तक्षेप करेगी। अदालत 370 निरस्त करने के फैसले के अन्तर्निहित विवेक की जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट को जिन मुद्दों पर फैसला देना है उनमें से एक यह है कि क्या केन्द्र सरकार को अनुच्छेद 370 हटाने का अधिकार है या नहीं। दूसरा केन्द्र सरकार को जम्मू–कश्मीर को दो राज्यों में बांटना और उन्हें केन्द्र शासित प्रदेश बनाना क्या सही है या गलत। और किसी राज्य को लम्बे समय तक राज्यपाल शासन के अधीन रखना सही है या गलत। सुनवाई के दौरान यह महत्वपूर्ण रहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश ने जम्मू–कश्मीर के भारत में विलय को अंतिम माना। इससे स्पष्ट है कि जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और उसका विलय भारत में बिना शर्त हुआ है।अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट पर लगी हुई हैं और उसके फैसले से यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि धारा 370 को घनिरस्त करना राष्ट्रीय हित में था या नहीं। सर्वविदित है कि अनुच्छेद 370 अस्थाई प्रावधान था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता नैशनल कांफ्रेंस के नेता मोहम्मद अकबर लोन द्वारा 2018 में जम्मू–कश्मीर विधानसभा में पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाने का मुद्दा भी उठा। केन्द्र सरकार ने मांग की कि अकबर लोन माफी मांगें और भारतीय संविधान मेंद निष्ठा संबंधी शपथपत्र दायर करे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अकबर लोन को शपथपत्र देने को कहा। कश्मीरी पंडितों के संगठन रूट्स इन कश्मीर ने याचिका दायर कर दावा किया था कि अकबर लोन घोषित तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। यद्यपि अकबर लोन ने हल्फनामा दे दिया है, इस पर महाध्अधिवक्ता तुषार मेहता ने कहा कि नैशलन कांफ्रेंस के सांसद अकबर लोन द्वारा दायर किया गया हल्फनामा एक तमाशा है। यह हल्फनामा जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है जिससे देश की छवि को नुक्सान पहुंचा है। उन्होंनेअदालत से यह भी कहा है कि वह यह भी देखें कि अकबर लोन ने इस हल्फनामे में क्या नहीं लिखा है। लोन ने हल्फनामे में लिखा है कि ''मैं भारत का एक जिम्मेदार नागरिक हूं। सांसद के रूप में ली गई शपथ को दोहराता हूं। मैंने भारत के संविधान को बनाए रखने और भारत की अखंडता बनाए रखने की शपथ ली है। सुप्रीम कोर्ट उनके हल्फनामे की समीक्षा कर फैसला करेगी। सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि जम्मू–कश्मीर में मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और वहां कभी भी चुनाव कराए जा सकते हैं।

चुनावों की तिथियों का फैसला निर्वाच्चन आयोग को करना है। हालांकि केन्द्र ने जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के संबंध में कोई समय सीमा नहीं बताई। इसमें कोई संदेह नहीं कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद और घुसपैठ की घटनाओं में काफी कमी आई है और पत्थरबाज अब कहीं दिखाई नहीं देते।

जम्मू–कश्मीर में शांति बहाली होने के साथ ही देशभर के पर्यटक जम्मू–कश्मीर की ओर आकर्षित हुए हैं और कई वर्षों से बंद घसिनेमाघर भी खुलने लगे हैं।

श्रीनगर के लालचौक पर पहले की तरह धार्मिक उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं और जगह–जगह तिरंगे फहर रहे हैं और कश्मीरी आवाम देश की मुख्यधारा से जुड़ने लगी है। जब हालात पूरी तरह से सामान्य हो जाएंगे तो फिर उसे राज्य का दर्जा भी दिया जाएगा। यह सभी नीतिगत मुद्दे हैं। जब किसी राज्य का पुनर्गठन होता है तो इस सम्बन्धित योजना में केन्द्र यह भी तय करता है कि राज्य के पुनर्गठन के बाद क्या किया जाएगा। किसी तरह से राज्य के युवाओं को मुख्य धारा में लाया जाएगा। सभी को कैसे रोजगार मुहैया कराया जाएगा। सरकार जम्मू–कश्मीर में अपनी योजनाओं के अनुरूप काम कर रही है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार है। देखना होगा कि शीर्ष अदालत क्या फैसला लेती है और उस फैसले के बहुत दूरगामी परिणाम होंगे।

जेसीआई मानवता की सेवा के लिए जाना जाता है

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना का जेसीआई सप्ताह जो पूरे भारत में 9 से 15 सितंबर तक चलने वाला है जौनपुर में भी इसका आगाज आज प्रारंभ आज हो गया सप्ताह के प्रथम दिन संस्था के सदस्यों ने निशुल्क मेगा स्वास्थ्य चेकअप कैंप का आयोजन नखास स्थित केसरवानी क्लिनिक पर डॉक्टर हृदय मोहन केसरवानी की उपस्थिति में संस्था अध्यक्ष सोनी जायसवाल के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया संस्था अध्यक्ष ने सभी पूर्व अध्यक्ष और सदस्यों के साथ शिविर में आए हुए सभी लोगों का स्वागत किया और ज्यादा से ज्यादा लोगों को निशुल्क कैंप का लाभ लेने का आह्वान किया, स्वास्थ्य चेकअप कैंप के उपरांत संस्था के द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर जो जिला अस्पताल पर आयोजित किया गया था संस्था के सदस्यों के साथ सभी नागरिकों को रक्तदान के लिए जागरूक करते हुए संस्था के सदस्यों के साथ सामान्य नागरिकों ने भी रक्तदान किया कार्यक्रम संपन्न कराने में जेसीआई सप्ताह चेयरपर्सनध् सचिव मीरा अग्रहरि का बहुत विशेष योगदान रहा, कार्यक्रम संयोजक पूर्व अध्यक्ष कल्पना केसरवानी ने कार्यक्रम अच्छे ढंग से संपन्न कराने में अपनी विशेष भूमिका अदा की, संस्थापक अध्यक्ष मेघना रस्तोगी ने कहा जेसीआई मानवता की सेवा के लिए जाना जाता है कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता,पूर्व अध्यक्ष चारू शर्मा,पूर्व अध्यक्ष रीता कश्यप,कोषाध्यक्ष सरला महेश्वरी,अंजू पाठक,रिचा गुप्ता,इंदिरा जायसवाल, संचिता बैंकर,मीना गुप्ता, ममता कश्यप,ज्ञानेश्वरी गुप्ता,ज्योति श्रीवास्तव, अंजना गुप्ता, अनीता गुप्ता, शारदा गुप्ता, निशा गुप्ता आदि पदाधिकारी उपस्थित रही कार्यक्रम का संचालन सप्ताह चेयरपर्सन मीरा अग्रहरि ने किया आभार पूर्व अध्यक्ष कल्पना केसरवानी ने व्यक्त किया !

कमजोर इम्युनिटी वाले बच्चों में डेंगू का खतरा अधिक

जौनपुर। जनपद में पिछले साल की तरह इस साल भी डेंगू का प्रकोप बढ़ने लगा है। शहर से लेकर गांव तक लोग इस बीमारी की गिरफ्त में तेजी से आ रहे हैं। वैसे तो यह बीमारी सामान्य उपचार में ठीक हो जाती है लेकिन थोड़ी सी लापरवाही घातक साबित होती है। डेंगू किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है, लेकिन बच्चों की कमजोर इम्यूनिटी की वजह से यह उनके लिए घातक हो सकता है। बड़ों की तुलना में बच्चे सुबह–शाम के समय में घर से जाकर खेलते हैं, जिसकी वजह से यह एडीज मादा मच्छर के संपर्क में आ सकते हैं। डेंगू के मच्छर शाम या फिर सुबह के समय अधिक काटते हैं। ऐसे में बच्चों को डेंगू से सतर्क रहने की जरूरत होती है। बच्चों में डेंगू के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेने की जरूरत होती है।

बच्चों में डेंगू के लक्षण क्या हैं?

डेंगू के लक्षण आमतौर पर कंफ्यूज करने वाले होते हैं, क्योंकि इसके लक्षण सामान्य बुखार की तरह होते हैं। मच्छर के काटने के करीब दो से चार दिन बाद इसके लक्षण सामने आने लगते हैं। इसके अलावा बीमारी की गंभीरता पर भी लक्षण नजर आते हैं। बच्चों में डेंगू के लक्षण तेज बुखार हो सकता है। इसके अलावा कुछ गंभीर लक्षण भी हो सकते हैं।

1. काफी तेज बुखार
2. बुखार के साथ–साथ बच्चों को तेज सिर दर्द
3. उल्टी आना
4. जोड़ों और हड्ड्यों में दर्द भी हो सकता है।
5. स्थिति गंभीर होने पर स्किन पर लाल चकत्ते नजर आते हैं।
6. मसूड़ों से खून आना या फिर खून की उल्टी आना बच्चों में डेंगू के गंभीर लक्षण हो सकते हैं।

डेंगू से ऐसे करें बचावरू–

–डेंगू का कोई विशेष उपचार प्रक्रिया नहीं है। बचाव ही इसका उपचार होता है। खासतौर पर इस सीजन में अपने बच्चों की ध्यान दें।

– बच्चों की इम्यूनिटी को बूस्ट करें। उन्हें ताजे फल और सब्जियां दें।

– घर की साफ–सफाई का ध्यान रखें।

–शाम और सुबह के वक्त घर के दरवाजों और खिड़कियों को –मच्छरदानी लगाकर सोएं।

–घर के आसपास पानी एकत्र न होने दें।

किन्हें डेंगू का खतरा अधिक

कुछ स्थितियों में सामान्य बच्चों की तुलना में कुछ खास बच्चों में डेंगू होने का जोखिम अधिक हो सकता है। जैसे बच्चे यदि डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे हैं या फिर हाल ही में उन स्थानों की यात्रा की है जहां पर डेंगू का संक्रमण रहा है तो इस स्थितियों में खतरा हो सकता है।

इसके अलावा यदि आपको पहले भी डेंगू बुखार हो चुका है तो भी संक्रमण का जोखिम आपमें अधिक हो सकता है। डेंगू से पहले संक्रमित रह चुके हैं तो आपमें अगले संक्रमण में गंभीर लक्षणों का खतरा बढ़ जाता है।

कमजोर इम्युनिटी वालों में खतरा

अध्ययनों से पता चलता है कि जिन बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है उनमें अन्य लोगों की तुलना में डेंगू के लक्षणों के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक हो सकता है। ऐसे लोगों में प्लेटलेट्स तेजी से गिरने लगते हैं और इनको रिकवर होने में अन्य लोगों की तुलना में अधिक समय लग सकता है। कमजोर इम्युनिटी वालों को डेंगू से बचाव को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होती है।

डा मुकेश शुक्ल (नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ) तीर्थराज हॉस्पिटल कलीचाबाद जौनपुर।

बार काउंसिल के निर्देश पर फैजाबाद बार एसोसिएशन ने लिया निर्णय लोक अदालत का होगा बहिष्कार

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।उत्तर प्रदेश के हापुड़ की कचहरी में अधिवक्ताओं के ऊपर हुई बर्बरता पूर्ण लाठी चार्ज एवं गाजियाबाद में एक अधिवक्ता के चेंबर में घुसकर की गई निर्मम हत्या करने से आक्रोशित अधिवक्ताओं द्वारा जारी अनवरत धरना प्रदर्शन और न्यायालय का बाय–काट जारी है। उच्च न्यायालय के निर्देश पर हापुड़ में नामजद व अज्ञात पुलिस कर्मियों के विरुद्ध गंभीर धाराओ में मुकदमा भी पंजीकृत हुआ है। फैजाबाद बार एसोसिएशन के महामंत्री सूर्य नारायण सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के उपाध्यक्ष अनुराग पाण्डेय से वार्ता करने के पश्चात फैजाबाद बार एसोसिएशन ने यह निर्णय लिया है कि 9 सितंबर को दीवानी न्यायालय परिसर में लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का बहिष्कार किया जाएगा। महामंत्री ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के निर्देशानुसार आंदोलन की नई रूपरेखा पर फैजाबाद बार एसोसिएशन भी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

देश में सबसे कम उम्र में ट्रिपल सी पास करने वाले ऋषभ गुप्ता ने मनाया अपना जन्मदिन दिव्यांग बच्चों के संग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्वी सहकारी कॉलोनी रूहट्टा निवासी राजेश गुप्ता के छोटे सुपुत्र ऋषभ गुप्ता ने सबसे कम उम्र में ट्रिपल सी पास करने वाले देश के प्रथम छात्र हैं। इन्होंने इन्होंने अपना दसवां जन्म दिवस दिव्यांग बच्चों के संग मनाया सभी दिव्यांग बच्चों के संग केक काटा तत्पश्चात केक मिठाई बिस्कुट टॉफी इत्यादि वितरित किया। उसके साथ साथ सभी दिव्यांग बच्चों को भोजन कराया। कुछ दिव्यांग बच्चों ने गीत गाकर माहौल खुशनुमा बना दिया। इस बाबत पूछे जाने पर अल्पायु छात्र ऋषभ गुप्ता ने बताया कि दिव्यांग बच्चे भी अच्छी तरह से व्यवसायिक पढ़ाई करके अति शीघ्र अपना जीवन संवार सकते हैं। दिव्यांग स्कूल संचालक और चर्चित समाजसेवी राजेश कुमार ने ऋषभ गुप्ता और उनके परिवार को धन्यवाद दिया।इस मौके पर विशेष शिक्षिका हेमू वर्मा, विशेष शिक्षक सोनू कुमार, रौनक गुप्ता ,प्रवेश गुप्ता, मेनका गुप्ता ,रियाजुल हक खान , इत्यादि उपस्थित रहे।

ममता मिश्रा की नवीं पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

संवाददाता

लखनऊ। जिनकी प्रेरणा व स्मृति में ममता चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना हुयी उन्ही स्व0 ममता मिश्रा की नवीं पुण्यतिथि सादगी के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर एक श्रद्धांजलि व पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी ही संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर ममता चैरिटेबल के संस्थापक अध्यक्ष व मुख्य ट्रस्टी व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अवध प्रांत के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा ट्रस्ट के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लखनऊ में पत्रकार के घर भीषण चोरी करने वाले पुलिस पकड़ से दूर

हौंसलाबुलन्द चोरों ने जेवर, नगदी, सिलेण्डर एवं स्कूटी चुरायी

पीड़ित परिवार से ही चोरों का पता लगाने को कह रही पुलिस

अच्छे परिणाम देने की बात कहकर केवल आश्वासन दे रही पुलिस

फेल साबित हुई डाग स्क्वायड, बीटीएस एवं फोरेंसिक टीम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सूबे की राजधानी में इस समय चोरकृउचक्के इतने हौंसलाबुलन्द हो गये हैं कि भारी संख्या में पुलिस जवानों की तैनाती के बावजूद भी काफी सक्रिय हैं तभी तो लखनऊ के मान्यताप्राप्त पत्रकार राजीव जायसवाल के घर को चोर पूरी तरह से खंगाल दिये। वहीं हल्का पुलिस केवल हवा में तीर चलाती नजर आ रही है। पुलिस चोरों को पकड़ने के लिये कुछ कर रही है या नहीं, यह तो पता नहीं लेकिन हां, पीड़ित से यह अवश्य कह रही है कि आप लोग अगलकृबगल सीसी टीवी फुटेज देखिये, मोटरसाइकिल स्टैण्ड पर देखिये, कोई संदिग्ध दिखे तो बताइये। हास्यास्पद बात तो यह है कि अब पीड़ित अपना सब कुछ छोड़कर यह देखे। फिलहाल एक जगह टीवी फुटेज देखने पर पुलिस को बताया गया तो वह सूचना देने के 3 दिन बाद टीवी फुटेज देखने आयी। इतना ही नहीं, कोतवाली पुलिस को दूरभाष के माध्यम से यह भी बताया गया कि क्षेत्र में एकाध ऐसे चोर हैं जो पूर्व में इस क्षेर में हुई चोरियों में पकड़े गये हैं लेकिन उसको भी ध्यान नहीं दिया गया। ऐसे में पीड़ित परिवार अब क्या करे? कहने का मतलब यह है कि वह सब कुछ भूल जाय या स्वयं चोरों की तलाश में जुट जाय।

बता दें कि लखनऊ के जानकीपुरम विस्तार थाना क्षेत्र के अब्दुल कलाम आजाद टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय के पीछे मिर्जापुर के न्यू विहार कालोनी में रहने वाले मान्यताप्राप्त पत्रकार राजीव जायसवाल के घर चोरी हुई। चोरी तब हुई जब 30 अगस्त की शाम परिवार के सभी लोग रक्षाबंधन के बाबत राखी बांधनेध्बंधवाने अपने रिश्तेदारों के यहां चले गये। 1 सितम्बर की शाम पड़ोसी ने बताया कि आपके घर के मुख्य प्रवेश द्वार का ताला टूटा हुआ है। आने पर पता चला कि चोर ताला तोड़कर घर में घुसकर आलमारी में रखे लगभग 10 लाख रूपये के जेवर, नगदी, गैस सिलेण्डर और स्कूटी उठा ले गये। यह दृश्य देखकर गृहस्वामी राजीव जायसवाल, पत्नी पत्रकार रागिनी जायसवाल एवं पुत्र पत्रकार शुभम जायसवाल जहां बदहवास हो गये, वहीं शुभम की पत्नी आस्था जायसवाल जो लगभग डेढ़ साल पहले ही शादी होकर यहां आयी है, बेहोश होकर गिर गयी जिसकी तबियत बिगड़ने पर मायके वाले उसे अस्पताल ले गये। स्थिति यह है कि अभी भी उसकी तबियत ठीक नहीं है। 30/31 अगस्त या 31 अगस्तध्1 सितम्बर की मध्य रात हुई चोरी को लेकर जहां परिजन परेशान होकर केवल रो रहे हैं, वहीं हल्का सिपाही, हल्का चौकी प्रभारी एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक केवल यही कह रहे हैं कि आप लोग लगे रहिये। हम लोग भी अपने स्तर से लगे हैं। पुलिस का कहना है कि हमारी पूरी टीम लगी हुई है और शीघ्र ही अच्छा परिणाम देंगे। वहीं इस बाबत पीड़िता रागिनी जायसवाल ने कहा कि पुलिस कह रही है कि वह लगी है लेकिन कहीं कुछ दिख नहीं रहा है, क्योंकि चोरी के बाद से न अगलकृबगल पुलिस की गश्त दिखी। सार्वजनिक स्थलों पर दिखने वाले संदिग्ध लोगों से न पूछताछ की गयी और न ही क्षेत्र में गम्भीर नशा करने वालों से पूछताछ की गयी। इतना ही नहीं, क्षेत्र में पूर्व में हुई चोरियों में पकड़े गये लोगों से भी पूछताछ नहीं की जा रही है। उनका कहना है कि मेरे घर चोरी करने वाले भले ही अभी तक नहीं पकड़े गये हैं लेकिन यदि पुलिस चाह ले तो पूर्व में हुई चोरियों में पकड़े गये चोरों से पूछताछ तो अवश्य कर सकती है जिससे हो सकता है कि मेरे घर के चोर पकड़े जायं लेकिन पुलिस ऐसा कुछ नहीं कर रही है। फिलहाल लाखों की सम्पत्ति एक झटके में चले जाने से दुखी पीड़ित परिवार अब केवल भगवान भरोसे है जो बस उम्मीद की टकटकी लगाये है।

सपा की सायकिल यात्रा का हुआ समापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर विवेक यादव ने नेतृत्व में चल रहे लोकतंत्र एंव संविधान बचाओं साईकिल यात्रा जो जौनपुर के नौ विधानसभा क्षेत्र मे चलते हुए आखिर दिन बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के लोहिंदा चौराहे पर स्थापित चौधरी चरण सिंह के मूर्ति पर माल्यार्पण कर साईकिल यात्रा का समापन किया। वहीं निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने कहा कि जिस तरह जौनपुर के सभी विधानसभा क्षेत्र मे साईकिल यात्रा के माध्यम से जनता को जगाने का काम किया गया है। भाजपा सरकार ने नौजवानों को ठगा है अब नौजवान अपना हक अधिकार लेकर रहेगा।कहा भाजपा सरकार के पास अब कोई मुद्दा नहीं रह गया जो जनता को बता सके उन्होंने जनता को परेशान किया है जनता को हताश किया है झूठे झूठे वादे कर कर जनता का वोट ले लिया मगर वादा पूरा नहीं किया बल्कि जनता को परेशानियों में डालने का काम किया है यह साइकिल यात्रा आज समापन तो हुआ है मगर ये समाजवादी नौजवान घर–घर जन–जन जाकर भाजपा सरकार की गलत नितियों को बताएगा और जब तक इस देश से भाजपा सरकार को उखाड़ नहीं फेकेगा तब तक ये नौजवान चुप नहीं बैठेगा। समापन यात्रा मुख्य रूप,राजन यादव अंखड प्रताप यादव,राहुल त्रिपाठी,पंकज मिश्रा, राममूर्ति सरोज, रामजतन यादव, राम इकबाल यादव,प्रभाकर मौर्या, अनुपमा पटेल, आशीष यादव, अशोक नायक, नितिन सैफई पवन यादव, संन्दीप यादव सोनू यादव, हर्षित यादव,मग्गू यादव,प्रवीण सरोज, आदि लोग उपस्थित रहे।

हस्तलिखित पटल -पत्रिका, उद्घोष के सितम्बर अंक का हुआ प्रकाशन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के विज्ञान–संकाय में शनिवार को श्उद्घोषश हस्तलिखित पटल पत्रिका के सितम्बर अंक का विमोचन प्राचार्य रवीन्द्र पांडेय ने किया।प्राचार्य डा. पाण्डेय ने पटल पत्रिका का अनावरण कर संपादक मण्डल के सभी सदस्यों को शुभकामना देकर छात्र – छात्राओं को रचनात्मक कार्यो में सक्रिय होने के लिए प्रोत्साहित

किया। इस पत्रिका का संपादन महाविद्यालय के दो मेधावी छात्र पुष्कर बाबू एवं जितेश कांत ने किया है। पत्रिका के सोलह पन्नों में प्राचार्य संदेश, संपादकीय, साक्षात्कार, बोली–बानी, नवाचार, फेसबुक वाल, विरासत, पर्यावरण, एक दृष्टि, कैंपस रोजगार, हकीकत, मुद्दा, शोध केंद्र, फ्यूचर शॉक स्तम्भ शामिल किए गए हैं। पत्रिका विमोचन में प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र पांडेय, प्रो. शैलेन्द्र नाथ मिश्र, प्रो. रेखा शर्मा, प्रो. सरवन, प्रो. मनोज मिश्र एवं कालेज के छात्र शामिल रहे।

हमें अपने जीवन में तकनीकी का उपयोग अधिक से अधिक की चाहिए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। डॉ. राममनोहर लोहिया महाविद्यालय अल्लीपुर हरदोई में, शिक्षा में तकनीकी का प्रयोगश' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें लखनऊ विश्व विद्यालय के प्रो०– ओंकार जी ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये शिक्षा में तकनीकी के उपयोग के सम्बन्ध में बताया कि वर्तमान युग तकनीकी का युग है और तकनीकी के उपयोग से ही शिक्षक तथा छात्र दोनों को आसान तथा द्रुत गति शिक्षा को प्राप्त करने में मदद करता है। शिक्षक द्वारा निर्देशित सॉफ्टवेयर के माध्यम से विद्यार्थी बिना शिक्षक के स्वयं ही सीख सकता है इसकी उत्पत्ति शिक्षा में भौतिक विज्ञान तथा इंजीनियरिंग शिक्षा के उपयोग से हुई है आज हम तकनीकी का उपयोग विभिन्न क्षेत्रो में कर रहे हैं। शिक्षा हो या चिकित्सा या अन्य क्षेत्र तकनीकी के उपयोग के द्वारा हम देश विदेश में कहीं भी बैठकर कहीं से भी ज्ञान का आदान प्रदान करते हैं और यह तकनीकी के द्वारा ही सम्भव है इसलिए हमें अपने जीवन में तकनीकी का उपयोग अधिक से अधिक की चाहिए।

महाविद्यालय के एम.एस–सी. जन्तु विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर के छात्राओं और छात्रों के प्रोजेक्टर के माध्यम तैयार किये विभिन्न विषयों पर लघुशोध (क्पेमतजंजपवद) को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत किये । जिसमें राघव मिश्रा, दीप्ति गुप्ता, अनुज कुमार और रत्नम् की प्रस्तुतीकरण को विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया । साथ ही सौम्या सिह, हिमांशु दीक्षित और प्रियांशी आनन्द की प्रस्तुतीकरण ज्ञानवर्धक और समाजकर्मी रहा।

विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. आशीष कुमार ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के द्वारा छात्र सैदान्तिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं यह प्रशिक्षित और अनुभवी जनशक्ति तैयार करके जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार करता है तकनीय शिक्षा लोगों को इस कठिन प्रतिस्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक सभी ज्ञान कौशल प्रदान करती है। इस लिए तकनीकी ज्ञान सभी छात्र छात्राओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है।

गोष्ठी की अध्यक्ष आई०टी० कालेज लखनऊ की प्रो० बी० ई० जेम्स ने बताया कि तकनीकी शिक्षा के अभाव में आज की शिक्षा पूर्ण रूप प्रभावी नहीं हैं। प्राचीन समय में ज्ञान गुरु के द्वारा दिया जाता था जिसे छात्र अनिवार्यतः से किया करते थे लेकिन आज के समय में शिक्षक द्वारा ज्ञान प्राप्त करने के साथ साथ इण्टरनेट, गूगल, यूट्यूब ही आदि के द्वारा ज्ञान आसानी से व कहीं भी बैठकर प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ.शीर्षेन्दु शील विपिन उपाध्यक्ष विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान तथा निदेशक महाविद्यालय ने अथितियो को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट किये और इस अवसर पर कहा 'बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा में टेक्नालॉजी प्रयोग से ही सम्भव है।' महाविद्यालय के नई शिक्षा नीति–2020 के अनुसार बच्चों के महाविद्यालय में कम्प्यूटर लैब के साथ जन्तुविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगोल, गृहविज्ञान, शिक्षाशास्त्र आदि की अधुनिकतम टेक्नालॉजी युक्त सुविधा सम्पन्न स्थापित किया गया है । जिसमें महाविद्यालय मे अध्यनरत विद्यार्थी प्रयोगात्मक ज्ञानार्जन कर रहे है।महाविद्यालय के बच्चे शोध के माध्यम के समाज के नयी दिशा प्रदान करने सफल होगें ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. के. पाण्डेय ने किया । आभार ज्ञापन श्री आनंद विशारद ने किया ।

इस अवसर मुकेश कुमार, सौरभ,संजीव अस्थाना,संजय श्रीवास्तव कुमार सहित शीतल,अनूप कुमार ,मंजोत कौर, आदि छात्र छात्रायें उपस्थित रहें।

बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा में टेक्नालॉजी के प्रयोग से ही सम्भव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। डॉ. राममनोहर लोहिया महाविद्यालय अल्लीपुर हरदोई में, 'शिक्षा में तकनीकी का प्रयोगश' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें लखनऊ विश्व विद्यालय के प्रो०– ओंकार जी ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये शिक्षा में तकनीकी के उपयोग के सम्बन्ध में बताया कि वर्तमान युग तकनीकी का युग है और तकनीकी के उपयोग से ही शिक्षक तथा छात्र दोनों को आसान तथा द्रुत गति शिक्षा को प्राप्त करने में मदद करता है। शिक्षक द्वारा निर्देशित सॉफ्टवेयर के माध्यम से विद्यार्थी बिना शिक्षक के स्वयं ही सीख सकता है इसकी उत्पत्ति शिक्षा में भौतिक विज्ञान तथा इंजीनियरिंग शिक्षा के उपयोग से हुई है आज हम तकनीकी का उपयोग विभिन्न क्षेत्रो में कर रहे हैं। शिक्षा हो या चिकित्सा या अन्य क्षेत्र तकनीकी के उपयोग के द्वारा हम देश विदेश में कहीं भी बैठकर कहीं से भी ज्ञान का आदान प्रदान करते हैं और यह तकनीकी के द्वारा ही सम्भव है इसलिए हमें अपने जीवन में तकनीकी का उपयोग अधिक से अधिक की चाहिए।

महाविद्यालय के एम.एस–सी. जन्तु विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर के छात्राओं और छात्रों के प्रोजेक्टर के माध्यम तैयार किये विभिन्न विषयों पर लघुशोध (Dissertation) को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुत किये । जिसमें राघव मिश्रा, दीप्ति गुप्ता, अनुज कुमार और रत्नम् की प्रस्तुतीकरण को विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया । साथ ही सौम्या सिह, हिमांशु दीक्षित और प्रियांशी आनन्द की प्रस्तुतीकरण ज्ञानवर्धक और समाजकर्मी रहा।

विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. आशीष कुमार ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के द्वारा छात्र सैदान्तिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं यह प्रशिक्षित और अनुभवी जनशक्ति तैयार करके जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार करता है तकनीय शिक्षा लोगों को इस कठिन प्रतिस्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक सभी ज्ञान कौशल प्रदान करती है। इस लिए तकनीकी ज्ञान सभी छात्र छात्राओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है।

गोष्ठी की अध्यक्ष आई०टी० कालेज लखनऊ की प्रो० बी० ई० जेम्स ने बताया कि तकनीकी शिक्षा के अभाव में आज की शिक्षा पूर्ण रूप प्रभावी नहीं हैं। प्राचीन समय में ज्ञान गुरु के द्वारा दिया जाता था जिसे छात्र अनिवार्यतः से किया करते थे लेकिन आज के समय में शिक्षक द्वारा ज्ञान प्राप्त करने के साथ साथ इण्टरनेट, गूगल, यूट्यूब ही आदि के द्वारा ज्ञान आसानी से व कहीं भी बैठकर प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ.शीर्षेन्दु शीलविपिन उपाध्यक्ष विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान तथा निदेशक महाविद्यालय ने अथितियो को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट किये और इस अवसर पर कहा 'बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा में टेक्नालॉजी प्रयोग से ही सम्भव है।' महाविद्यालय के नई शिक्षा नीति–2020 के अनुसार बच्चों के महाविद्यालय में कम्प्यूटर लैब के साथ जन्तुविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगोल, गृहविज्ञान, शिक्षाशास्त्र आदि की अधुनिकतम टेक्नालॉजी युक्त सुविधा सम्पन्न स्थापित किया गया है । जिसमें महाविद्यालय मे अध्यनरत विद्यार्थी प्रयोगात्मक ज्ञानार्जन कर रहे है। महाविद्यालय के बच्चे शोध के माध्यम के समाज को नयी दिशा प्रदान करने सफल होगें ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. के. पाण्डेय ने किया । आभार ज्ञापन आनंद विशारद ने किया ।

इस अवसर मुकेश कुमार, सौरभ,संजीव अस्थाना,संजय श्रीवास्तव कुमार सहित शीतल,अनूप कुमार ,मंजोत कौर, आदि छात्र छात्रायें उपस्थित रहें।

पर्यटन मंत्री ने सरयू नदी में जटायु क्रूज का किया लोकार्पण

पर्यटकों को पैंतालीस मिनट में करायेगा नया घाट से गुप्तार घाट तक क्रूज यात्रा

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने नया घाट पर सरयू नदी में जटायु क्रूज का लोकार्पण किया। बताते चलें कि यह क्रूज नया घाट से लेकर गुप्तार घाट तक चलेगा तथा नया घाट से गुप्तारघाट व गुप्तारघाट से नया घाट तक लगभग 18 किलोमीटर की दूरी 45 मिनट में पूरा करेगा।लोगों को अयोध्या को देखने का मौका मिलेगा तथा जल परिवहन का आनंद भी उठाएंगे। इससे आप लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी एवं इससे सड़कों पर लोड कम होगा। हमारी सरकार द्वारा सभी नदियों में ऐसी परिवहन व्यवस्था करने की योजना है।इसे पूर्व पर्यटन मंत्री ने सरयू अतिथि गृह में अयोध्या में चल रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की, जिसमें मंत्री ने कहा कि जो भी विभागीय कर चल रहे हैं उसको गुणवत्ता के साथ दीपोत्सव के पूर्व पूरा करें। मंदिर उद्घाटन का कार्यक्रम जनवरी 2024 में प्रस्तावित है अयोध्या को भव्य व अलौकिक बनाना है और पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करना है। आयुक्त गौरव दयाल ने कहा कि जटायु क्रूज जो चल रहा है इससे बड़ा क्रूज लाया जाएगा यह 75 सीटर का है इसके जो 45 मिनट की दूरी में पहुंचेगी उसमें अयोध्या से संबंधित रामायण कालीन पिक्चर्स दिखाया जाएगा तथा इससे आवागमन की सुविधा बेहतर होगी।

सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि राम की नगरी में जो क्रूज चल रहा है और विस्तार होगा और यह बड़े सौभाग्य की बात है। इस मौके पर उन्होने कहा कि अयोध्या पावन ध आरती पर जटायु क्रूज हो रहा है इससे बड़ा क्रूज लाया जाएगा यह बड़े सौभाग्य का विषय है कि राम मंदिर का उद्घाटन जनवरी 2024 में होगा। अयोध्या सांसद का मैं स्वागत करता हूं अधिकारियों ने भी अच्छा काम किया है इसका मैं स्वागत करता हूं इस अवसर पर बैठक में सांसद लल्लू सिंह, बीकापुर विधायक अमित सिंह चौहान, एमएलसी अंगद सिंह, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, नगर आयुक्त विशाल सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर सलिल पटेल, उपनिदेशक पर्यटन, उपनिदेशक सूचना डॉक्टर मुरलीधार सिंह, सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, एडीएम सिटी, व अन्य विभागीय अधिकारी के अलावा विभिन्न विभागों के अभियंता उपस्थित रहे।

एसएसपी ने कोतवाली नगर में तैनात अपराध निरीक्षक सहित कई एसआई को हटाया

देवकाली सहित अन्य चोरी खुलासा न करने में नाकाम अपराध निरीक्षक पर गिरी गाज

अयोध्या। एसएसपी राज करन नैय्यर ने अपराध नियंत्रण में फिसड्डी साबित होने के चलते नगर कोतवाली के अपराध निरीक्षक को बदल दिया गया है। साथ ही कई उपनिरीक्षकों की तैनाती समेत चौकी प्रभारियों में भी फेरबदल किया गया है।जिला स्थापना बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर ने पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक अनिल कुमार राय को नगर कोतवाली के निरीक्षक अपराध पद पर तैनात किया है। जबकि यहां तैनात अपराध निरीक्षक सर्वदमन को हटा दिया गया था।बताते चलें कि इसी सप्ताह कोतवाली नगर क्षेत्र में चार चार चोरियों से पुलिसिया कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लग रहा था।

जिसे गंभीरता से लेते हुए एसएसपी राज करन नैय्यर ने यह कार्यवाही की है।वही कुमारगंज थाने के चिलबिली चौकी प्रभारी उमेश कुमार वर्मा को चौकी प्रभारी बारुन थाना इनायतनगर, चौकी प्रभारी सत्ती चौरा रौनाही उपनिरीक्षक रवीश कुमार यादव को प्रभारी चौकी चिलबिली थाना कुमारगंज, पुलिस लाइन में तैनात उप निरीक्षक हरिशंकर राय को चौकी प्रभारी रायगंज कोतवाली अयोध्या व अरविंद कुमार को चौकी प्रभारी सत्ती चौरा रौनाही बनाया है।उधार पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक एसआई बख्त बहादुर सिंह को थाना बाबा बाजार, एसआई सुनील कुमार को थाना खंडासा,एसआई भगवंत सिंह को न्यायालय सम्मन सेल,एसआई जय सिंह को ऑपरेशन दृष्टि सेल,एसआई राजेंद्र कुमार अवस्थी को न्यायालय सुरक्षा व्यवस्था, एसआई सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को कोर्ट मॉनिटरिंग सेल, एसआई आलोक कुमार यादव को थाना रौनाही, एसआई अश्वनी कुमार सिंह को थाना पटरंगा तथा 112 में तैनात एसआई ब्रह्म प्रकाश श्रीवास्तव को थाना बाबा बाजार, हैदरगंज थाने के एसएसआई विजय बहादुर पांडेय को थाना राम जन्मभूमि व रौनही थाने पर तैनात एसआई राजेश राम सरोज को कार्यालय अपर पुलिस अधीक्षक प्रोटोकाल बनाया है।

सघन मिशन इन्द्रधनुष को सफल बनाने के निकली जन जागरुकता रैली

अयोध्या। शनिवार को डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा की अध्यक्षता मे सघन मिशन इंद्र धनुष (टीकाकरण)अभियान 11सितंबर से 16 सितंबर तक की सफलता हेतु ब्लॉक स्तरीय जन–जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर उन्होंने गॉव घाटमपुर उपकेंद्र कोटसराय से प्राइमरी अपर प्राइमरी से भी रैली निकाली गई।

इसका उद्घाटन ग्राम प्रधान श्रीमती गीता पाल द्वारा किया गया।रैली का संचालन ब्लॉक मोबिलाइजेसन कोआडिनेटर यूनिशेफ ब्लॉक मसौधा धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ने किया। साथ ही साथ उन्होंने बताया कि इसमें जीरो से पांच साल के ऐसे बच्चे को 12 जानलेवा बीमारियों से बचाव का टीकाकरण होना है। जिसमे टी. बी,खसरा,रुबेला, पोलियो,पीलिया,गला घोंटू,काली खांसी,टेटनस, निमोनिया,दिमागी बुखार, दस्त शामिल हैं।जिनका पूर्व मे टीका छूट गया है, साथ ही साथ गर्भवती महिलाओ को टेटनस के टीके लगेंगे। इस अवसर एएनएम रेनू,शिक्षक सर्वेश नारायण,अंकुर श्रीवास्तव,अमित वर्मा,अफजल,अर्चना सिंह,सत्य बोधा अक्षय कुमार,मन्ना सहित कई अधिकारी व कर्मी मौजूद रहें हैं।

यदि युवा चाहें तो किसी भी बदलाव को लाने में सक्षम हो सकते हैं : मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता एवं एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में 8 तथा 9 सितंबर 2023 को दो दिवसीय 'मेगा पुनीत सागर अभियान' के अंतर्गत 'प्लास्टिक का पर्यावरण पर प्रभाव' विषय पर निबंध, संभाषण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं तथा पोस्टर व स्लोगन के माध्यम से जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस दो दिवसीय अभियान का समापन आज दिनांक 9 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ ।

यह विशेष आयोजन एनसीसी निदेशालय के निर्देशानुसार लखनऊ मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा एवं 19 यू. पी. बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दीपक कुमार के दिशा निर्देशन में दिल्ली में 9 तथा 10 सितंबर को होने वाले जी–20 सम्मेलन के उद्देश्य 'सतत विकास लक्ष्य' को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया।

दिनांक 8 सितंबर को निबंध प्रतियोगिता में 46 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया ।इसके साथ ही पोस्टर तथा स्लोगन के माध्यम से 'स्वच्छ नदियां, स्वच्छ जीवन' एवं प्लास्टिक के प्रयोग से पर्यावरण पर होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति सभी को सचेत किया ।

इसी क्रम में आज दिनांक 9 सितंबर को 'प्लास्टिक के उपयोग का पर्यावरण पर प्रभाव' विषय पर ही संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें 14 कैडेट्स ने विषय पर चर्चा करते हुए इस बात पर चिंता जाहिर की कि अभी भी हम पर्यावरण के प्रति सचेत नहीं हुए तो भविष्य में इसके भयंकर परिणाम भुगतने होंगे । इसी विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । कैडेट तनु सारस्वत, तनुजा कांडपाल, शुभांगी निगम, खुशी त्रिपाठी,श्रेया गुप्ता तथा युक्ता सिंह ने एक खूबसूरत मॉडल बनाकर पुनीत सागर अभियान तथा जी–20 के मुख्य उद्देश्य 'सतत विकास लक्ष्य' को प्रदर्शित किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश की जी–20 की ब्रांड एंबेसडर 'स्वाड्रन लीडर तूलिका रानी' उपस्थित रहीं ।जिन्होंने अपने संबोधन में जी 20 शिखर सम्मेलन में भारत द्वारा विभिन्न समसमायिक मुद्दों के लिए जा रही पहल पर चर्चा की ।वैश्विक स्तर पर बनी भारत की स्वर्णिम छवि को युवा छात्राओं को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया ।भारत की संस्कृति से सीखते रहने एवं जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया ।

प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय ने अपने संबोधन में प्लास्टिक के स्थान पर अन्य विकल्पों का प्रयोग करने तथा इको सिस्टम के संतुलन एवं पर्यावरण के प्रति सचेत रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मेजर डॉ मनमीत कौर सोढ़ी ने अवगत कराया कि पुनीत सागर अभियान में एनसीसी कैडेट्स को विशेष रूप से जोड़ने के पीछे उद्देश्य है कि यदि युवा चाहें तो किसी भी बदलाव को लाने में सक्षम हो सकते हैं ।युवाओं को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना होगा।

निबंध प्रतियोगिता का परिणाम–

प्रथम–कैडेट नैंसी विश्वकर्मा

द्वितीय–सुप्रिया गोपाल

तृतीय– स्नेहा वर्मा

सांत्वना–शिवानी चौधरी, कल्याणी पांडे, गौरवी यादव, उजमा रिजवी और सोनल सिंह

संभाषण प्रतियोगिता का परिणाम

प्रथम–कैडेट तनु सारस्वत

द्वितीय–कैडेट अंजलि राय

तृतीय– कैडेट सौम्या भंडारी

सांत्वना कैडेट प्रियंका यादव

प्रतियोगिता की विजई कैडेट्स को एवं

मॉडल बनाने वाली कैडेट्स को पदक एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रो संगीता कोतवाल, प्रो ऋचा शुक्ला, प्रो सुषमा त्रिवेदी, सुनीता सिंह, डॉक्टर विनीता सिंह, प्रो संगीता शुक्ला समेत बड़ी संख्या में प्रवक्ता एवं कैडेट्स उपस्थित रहे ।

एनसीसी गान एवं भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री शारदा ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोसाईगंज स्थित श्री शारदा ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशन में सत्र 2023 के नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आज दिनांक 9 सितंबर को संस्थान में बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया द्य कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना तथा अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया द्य इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में पधारे प्रो.मारुख मिर्जा (भूतपूर्व कुलपति ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज विश्विद्यालय , लखनऊ) ने छात्र – छात्राओं को

संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी कार्य कठिन नहीं है, यदि उसे पूर्ण मनोयोग के साथ किया जाए । विशिष्ट अतिथि के रुप में पधारे प्रोफेसर अवधेश कुमार त्रिपाठी जी (डीन सीडीसी) ने व्यावहारिक ज्ञान को जीवन की आधारशिला बताते हुए कहा कि प्रतिदिन कुछ ना कुछ नया सीखते रहना चाहिए वही सम्माननीय अतिथि के रूप में पधारे प्रो. ए. के. सेन गुप्ता जी(प्रति कुलपति ,लखनऊ विश्वविद्यालय ,लखनऊ) ने छात्र – छात्राओं को नैतिक दृष्टि से आगे बढ़ने की सलाह देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । संस्थान के डीन प्रोफेसर विवेक मिश्रा ने छात्र – छात्राओं को संबोधित करते हुए , छात्र जीवन में अनुशासन के महत्व को समझाया एवं उपस्थित अतिथियों का आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक , छात्र – छात्राएं एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रतियोगिताओं से स्टूडेंट्स का उत्साह वर्धन होता है: संगीता मित्तल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ द्वारा रोटरी फोकस एरिया " बेसिक शिक्षा व लिट्रेसी" जो कि सितंबर मंथ के लिये है के अंतर्गत विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन सेंट टेरेसा कॉलेज, आशियाना में किया गया।

जिसमें निबंध प्रतियोगिता न्यूट्रीशन व हेल्थ के ऊपर, आर्ट प्रतियोगिता जिसका टॉपिक चंद्रयान–३ था, नेशनल न्यूट्रीशन वीक के अन्तर्गत न्यूट्रीशन व हेल्थ के ऊपर टॉक न्यूट्रिनिरिस्ट आशना पुरी द्वारा, लड़कियो के लिये सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विजेताओं को फल ज्यूसेस व पुरस्कार का वितरण किया गया व प्रिंसिपल व टीचर्स को सम्मानित किया गया।स्कूल

में बच्चों द्वारा जन्माष्टमी का कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। प्रेसिडेंट संगीता मित्तल जो कि खुद एक शिक्षाविद् रह चुकी है उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से स्टूडेंट्स का उत्साह वर्धन होता है व उनमे जीवन में आगे बढने की इच्छा उत्पन्न होती है। इस अवसर पर त्जद स्तुति मितल भी उपस्थित थी।

लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में देश बचाओ देश बनाओ साइकिल यात्रा का सपा अयोध्या विधानसभा अध्यक्ष ने किया स्वागत

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव के नेतृत्व में चल रही देश बचाओ देश बनाओ साइकिल यात्रा का अयोध्या विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव के नेतृत्व में स्वागत किया महानगर प्रवक्ता एडवोकेट राकेश यादव ने बताया सूर्य कुंड पर शमशेर यादव, जगदीश यादव एडवोकेट, आशीष वर्मा, राजेश कोरी कृष्ण मोहन यादव, वंशराज चौरसिया,राहुल यादव सूबेदार यादव पारा खान अनिल यादव,हरेंद्र यादव, दीपक यादव राधे राधे रामपुर हलवारा में सुरेंद्र यादव, जाबिर खान, विनोद यादव राजेपुर में, अर्जुन यादव, अज्ञाराम यादव, राजाराम मुड़ाडीहा में राजेश यादव, सुरेंद्र यादव, तुलसीराम कुर्की चौराहा में तरजीत गौड़ शंभूनाथ सिंह दीपू, ललित यादव, शिव बरन यादव पप्पू, रवि यादव रोशन नगर मे शिव कुमार यादव, राम मूरत यादव , सदाम केशरी वर्मा के साथ अयोध्या विधानसभा कमेटी वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ जोरदार स्वागत किया उन्होंने पूरे अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव के साथ पूरे विधानसभा में साइकिल चलाकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के द्वारा किए गए कार्यों के बारे में जनता को बताया उनके साथ स्वागत करने वालों में राजेश कोरी प्रधान, डॉ जनार्दन, प्रदीप यादव, शालिकराम मौर्य, राहुल यादव, पवन यादव, राम भवन, राजेश कोरी प्रधान धर्मवीर, सत्यम चौरसिया, मोहम्मद यासीन, अरविंद यादव, रत्नेश जयसवाल,राम धीरज, हरिराम वर्मा, सूबेदार यादव, राकेश वर्मा, विनय वर्मा, मुंशी वर्मा, कन्हैया लाल, सूरज, जितेंद्र यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

किसी पहचान के मोहताज नहीं है समाजसेवी राम बहादुर यादव

पेशे से कोटेदार राम बहादुर यादव द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्य की होती है चहुं ओर चर्चा

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के कांति नगर कालोनी के निवासी राम बहादुर यादव किसी पहचान के मोहताज नहीं है।उनकी गिनती सिर्फ आसपास के इलाकों में ही नहीं बल्कि कोतवाली नगर क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे सराहनीय कार्य के चलते जगह जगह हो रही है।चाय की दुकान हो या फिर अन्य सार्वजनिक स्थान हो सभी जगहों पर उनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों की चर्चा होती है। पेशे से कोटेदार राम बहादुर यादव कोरोना काल

भी केन्द्र व राज्य सरकार के मंशानुरूप लोगों का भरसक मदद करने में कोई कोताही नहीं बरती वही अपने पास से भी दूर दराज से आने वाले परदेशियों व लोगों का मदद किया। जिसके चलते उस दौरान उनके द्वारा किए गए कार्यों के चलते आज भी लोग उन्हें याद करते हैं। इनकी तारीफ करते हुए रीडगंज निवासी राम कृष्ण ने बताया कि कोटेदार राम बहादुर यादव किसी पहचान के मोहताज नहीं है।उन्होंने अभी तक लोगों के लिए जो भी काम किया है उसकी जितनी तारीफ किया जाए कम है।वही देवकाली के सजीवन प्रसाद का मानना है कि वे समय समय पर पात्रों को सरकारी गल्ले का राशन मुहैया तो कराते ही है इससे साथ साथ वे आसपास रह रहे दीन दुखियों की रुपये पैसों से मदद भी करते हैं।जिससे यह कहना गलत नहीं होगा कि वे लोगों की मदद करने से नहीं चूकते।इसी तरह अश्वनी पुरम कालोनी, सरस्वती पुरम कालोनी, अंजनी पुरम कालोनी, शक्ति नगर कालोनी, धनीराम का पुरवा,चेला छावनी, वजीरगंज सहित अन्य मुहल्लो में इनके द्वारा किए गए सराहनीय कार्य की चर्चा होती रहती है।

राष्ट्रपति को पत्र ट्वीट कर रोजगार का हल हेतु हस्तक्षेप की अपील

संवाददाता

लखनऊ। संयुक्त युवा मोर्चा केंद्रीय टीम सदस्य और युवा मंच के संयोजक राजेश सचान ने राष्ट्रपति को ट्वीट कर 18 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के विशेष सत्र में रोजगार अधिकार के लिए विधेयक लाने, केंद्र सरकार एवं राज्यों में रिक्त पड़े एक करोड़ पदों को पारदर्शिता के साथ तत्काल भरने, सरकारी नौकरियों में आउटसोर्सिंग व संविदा व्यवस्था खत्म करने और रेलवे, बैंकिंग, पोर्ट, बीमा, बिजली–कोयला, शिक्षा–स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निजीकरण पर रोक लगाने हेतु हस्तक्षेप की अपील की है। इसके अलावा रोजगार सृजन के लिए संसाधनों को जुटाने के लिए ऊपर के एक फीसद अमीरों पर संपत्ति व उत्तराधिकार जैसे टैक्स लगाने की मांग भी की गई है। इविवि के छात्रों के जारी दमन पर रोक लगाने के सवाल को भी संज्ञान में लेने की अपील की गई है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।